अरावली हरति वकिास परयिोजना

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने अरावली पर्वतमाला के कनिारे 19 ज़लिों में 3,700 हेक्टेयर क्षेत्र में पारस्थितिकिी पुनरुद्धार और मरुस्थलीकरण नयिंत्रण के उद्देश्य से **अरावली हरति वकिास परयिोजना** शुरू की है।

प्रमुख बदिु

- **परयिोजना के बारे में:**
  - पाँच वर्षों तक चलने वाली **250 करोड़ रुपए** की इस परयिोजना का उद्देश्य **अरावली** पारस्थितिकिी तंत्र को बहाल करना, भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण से नपिटना है, जसिमें पहले वर्ष **वृक्षारोपण** पर तथा अगले वर्ष **रखरखाव** पर ध्यान केंद्रति कयिा जाएगा।
  - यह परयिोजना अरावली ग्रीन वॉल परयिोजना के अनुरूप है जसिका उद्देश्य दल्लिी से अहमदाबाद तक अरावली में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना है।
- **भौगोलकि लक्ष्य:**
  - यह परयिोजना अलवर से सरिोही तक **19 ज़लिों** में फैली हुई है, जो लगभग **550 कलिोमीटर** (राजस्थान में अराबली पर्वतमाला का 80%) क्षेत्र को कवर करती है।
- **नगिरानी और नरीक्षण:**
  - इस परयिोजना की नगिरानी **केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परविर्तन मंत्रालय** द्वारा वनस्पतयिों तथा जीवों की बहाली, भूजल स्तर में परविर्तन एवं सूक्ष्म जलवायु परविर्तन जैसे संकेतकों का उपयोग करके की जाएगी।
- **परयिोजना लक्ष्य:**
  - बगिड़ते **अरावली पारस्थितिकिी तंत्र** की बहाली।
  - थार रेगस्तिान से आने वाले **रेतीले तूफानों** को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) तक पहुँचने से रोकना, उत्तर भारत के लयि एक **पारस्थितिकि रक्षा तंत्र** के रूप में कार्य करेगा।
  - **मृदा अपरदन**, **मरुस्थलीकरण** और वनों की कटाई के प्रतकिूल प्रभावों से नपिटना।
  - **जैवववधिता**, भूजल पुनर्भरण और दीर्घकालकि पारस्थितिकि स्थरिता में सुधार करने में मदद करता है।
- **वृक्षारोपण रणनीति:**
  - मृदा स्थरीकरण के लयि देशी और **जलवायु-लचीली प्रजातयिाँ**, जनिमें खेजड़ी (राज्य वृक्ष), **बबूल, ढाक, नीम, बेर** तथा सेवन व धामन जैसी देशी घासें शामलि हैं।
    वभिन्नि जलवायु (सीकर में शुष्क क्षेत्र से लेकर डूंगरपुर और सरिोही में आर्द्र क्षेत्र) के प्रति उनकी अनुकूलन क्षमता के आधार पर प्रजातयिों का चयन कयिा गया।
  - वृक्षारोपण केवल **वन भूमि** पर कयिा जाएगा, **मानव नविास या अतक्रिमण वाले क्षेत्रों से बचा** जाएगा
  - जयपुर और सीकर जैसे **शुष्क क्षेत्रों** में पौधों के अस्तत्वि को सुनश्चिति करने के लयि सावधानीपूर्वक रखरखाव के साथ दीर्घकालकि स्थरिता पर ज़ोर दयिा जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aravali-green-development-project